Prabhat Khabar (Date: - 26/09/2019)

पटना मेट्रो पर हुआ करार, अब निर्माण पकड़ेगा रफ्तार, 2024 से लगेगी दौड़ने

संवाददाता ▷ पटना

पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के बीच करार के साथ ही पटना में मेट्रो निर्माण का इंतजार समाप्त हो गया है. बुधवार को पीएमआरसीएल के सीएमडी चैतन्य प्रसाद और डीएमआरसीएल के एमडी मंगू सिंह ने बुधवार को मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के डिपोजिट टर्म पर एमओयू पर हस्ताक्षर किये. मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, नगर विकास मंत्री सुरेश कुमार शर्मा, मुख्य सचिव दीपक कुमार व विकास आयुक्त अरुण कुमार सिंह मौजूद थे. अब डीएमआरसीएल को तत्काल 25 करोड़ अग्रिम राशि देने के साथ ही एक सप्ताह के अंदर इस प्रोजेक्ट पर तेजी से काम शुरू होने की उम्मीद है.

इसका कार्यालय इंदिरा भवन में होगा. 17 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पटना मेट्रो प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया जा चुका है. फिलहाल पटना मेट्रो का ड्रोन सर्वेक्षण का काम किया जा रहा है. पटना मेट्रो का परिचालन 2024 तक आरंभ हो जायेगा. 31.39 किमी लंबी पटना मेट्रो रेल प्रोजेक्ट ● बाकी पेज 17 पर

1. 31.39 किमी कुल लंबाई
2. 24 स्टेशन बनेंगे
3. 12 एलिवेटेड स्टेशन बनेंगे
4. 11 अंडरग्राउंड स्टेशन होंगे
5. 01 स्टेशन सतह पर होगा

प्रोजेक्ट की मॉनीटरिंग के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बनी कमेटी

17 फरवरी को हुआ था शिलान्यास, ₹13365.77 करोड़ है कुल लागत

सीएम नीतीश कुमार की मौजूदगी में एमओयू पर पीएमआरसीएल के सीएमडी व डीएमआरसीएल के एमडी ने किये हस्ताक्षर.

- 20-20 प्रतिशत राशि राज्य और केंद्र सरकार देगी
- 60 प्रतिशत राशि जापानी एजेंसी से ली जायेगी कर्ज

राजेंद्र नगर से शुरू होगा काम, छह महीने में दिखने लगेगा मेट्रो का नजारा

पटना मेट्रो का काम सबसे पहले राजेंद्रनगर से शुरू होगा. पीएमआरसीएल के सीएमडी चैतन्य प्रसाद ने बताया कि डीएमआरसीएल ने सर्वे शुरू कर दिया है. उसने आश्वासन दिया है कि छह माह में मेट्रो का काम दिखने लगेगा. दोनों कॉरिडोर में एक साथ काम चालू होगा. जैसे ही सर्वे पूरा होगा, आवश्यक हुआ तो एलाएनमेंट में डीएमआरसीएल द्वारा बदलाव भी किया जायेगा.

ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर

लंबाई 16.94 किमी

इसमें दानापुर-सगुना मोड़ व आरपीएस मोड़ तक 5 .48 किमी का ट्रैक एलिवेटेड होगा, जबकि पाटलिपुत्रा, रूकुनपुरा, राजाबाजार, गोल्फ क्लब, पटना जू, विकास भवन, विद्युत भवन से पटना जंक्शन तक 11 .20 किमी तक रूट अंडरग्राउंड होगा . मीठापुर में मेट्रो का 20 मीटर रूट सतह पर होगा .

12 स्टेशन

तीन एलिवेटेड स्टेशन और आठ अंडरग्राउंड व एक जमीन की सतह पर स्टेशन होगा

नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर

लंबाई 14.45 किमी

पटना जंक्शन से गांधी मैदान, अशोक राजपथ, राजेंद्रनगर, मलाही पकड़ी, जीरो माइल से होते हुए न्यू आइएसबीटी डिपो तक होगा. इसमें पटना जंक्शन, गांधी मैदान, पीएमसीएच स्टेशन तक का रूट एलिवेटेड होगा . इसमें पटना विवि, प्रेमचंद रंगशाला, राजेंद्रनगर मेट्रो स्टेशन तक अंडरग्राउंड, जबकि मलाही पकड़ी, जीरो माइल और न्यू आइएसबीटी तक का रूट भी एलिवेटेड होगा .

12 स्टेशन

नौ एलिवेटेड स्टेशन व तीन अंडरग्राउंड स्टेशन

Prabhat Khabar (Date: - 26/09/2019)

गांव-गांव के तालाब और कुओं का कायाकल्प होगा, दो अक्तूबर से चलेगा अभियान : नीतीश

मुंगेर में सभा को संबोधित करते सीएम नीतीश कुमार.

राणा गौरी शंकर ▷ मुंगेर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन के कारण पर्यावरण संकट एक गंभीर समस्या बन गयी है. राज्य सरकार ने जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत इससे निजात पाने की बड़ी योजना बनायी है. दो अक्तूबर को गांधी जयंती पर इस अभियान का शुभारंभ किया जायेगा, जिसके माध्यम से गांव-गांव के तालाब व सार्वजनिक कुओं का जहां जीर्णोद्धार होगा, वहीं रेन वाटर हार्वेस्टिंग की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी. इसी कड़ी में मुंगेर में बनने वाला बिहार का पहला

➲ मुंगेर में वानिकी और इंजीनियरिंग कॉलेजों का शिलान्यास

फॉरेस्ट कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट पर्यावरण संरक्षण के दिशा में मील का पत्थर साबित होगा. वह बुधवार को मुंगेर के ऐतिहासिक पोलो मैदान में वानिकी महाविद्यालय और राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय के भवनों की आधारशिला रखने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे. मुंगेर में 105 करोड़ की लागत से वानिकी महाविद्यालय व 73.13 करोड़ की लागत से अभियंत्रण महाविद्यालय के भवन का निर्माण ● बाकी पेज 17 पर

Prabhat Khabar (Date: - 26/09/2019)

खुलेंगे पांच नये फार्मेसी कॉलेज, 966 पदों पर होगी बहाली

अगमकुआं स्थित राजकीय फार्मेसी संस्थान में एम फार्मा की होगी पढ़ाई

प्रतिनिधि ▷ पटना सिटी

अगमकुआं स्थित राजकीय फार्मेसी संस्थान में बुधवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ. उद्घाटन करते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि राज्य में पांच नये फार्मेसी कॉलेज खोले जायेंगे. 966 पदों पर फार्मासिस्ट की बहाली जल्द होगी. इसके लिए बिहार तकनीकी चयन आयोग को अनुशंसा भेज दी गयी है. मंत्री ने माना कि राज्य में जितने फर्मासिस्ट चाहिए, उससे बहुत कम हैं. ऐसे में फार्मेसी कॉलेजों की संख्या बढ़ाने को लेकर निजी सेक्टर के लोगों को भी आगे आना चाहिए. सरकार के पास निजी क्षेत्र के दस -बारह के आसपास में फार्मेसी कॉलेज का प्रस्ताव आया है.अगले साल तक सूबे में 12 से 13 फार्मेसी संस्थान हो जायेंगे. भविष्य में अगमकुआं स्थित राजकीय फार्मेसी संस्थान में एम फार्मा की पढ़ाई भी शुरु होगी. फर्मासिस्टों की बहाली में जो अड़चन थी उसे दूर कर लिया गया. नियमावली के अभाव में मेडिकल स्टाफ व फर्मासिस्टों की बहाली नहीं हो सकी थी. सरकार ने नियमावली बनाकर व संशोधन कर नियुक्ति की प्रक्रिया आरंभ की है. मंत्री ने दोहराया कि राज्य में साढ़े छह हजार पदों पर डॉक्टर के बहाली की प्रक्रिया चल रही है. सूबे में 6300 एएनएम की नियुक्ति की गयी, जबकि 9200 ग्रेड ए नर्स की नियुक्ति की जल्द की जायेगी. मंत्री ने कहा कि दवाओं को बनाने, गुणवत्ता जांचने व सही वितरण का कार्य फार्मासिस्ट कर सकते हैं. फार्मासिस्टों का मानव जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है. सरकार फार्मेसी की पढ़ाई व फर्मासिस्टों की नियोजन को लेकर गंभीर है. मंत्री ने कहा कि पहले ड्रग इंस्पेक्टर के पद पर बहाली होती थी, वे पद से रिटायर होते थे, अब ऐसा नहीं है, उनको प्रोन्नति दी जाती है. सरकार ने इनको लैपटॉप भी दिया है. आयोजन में संस्थान के प्राध्यापक कुमार अजय ने पुष्प भेंट कर स्वागत किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता संत कुमार सिंह ने की.

राजकीय फार्मेसी संस्थान में कार्यक्रम मे पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे व अन्य.

आयोजन में फार्मासिस्टों ने रखी मांग

संस्थान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फार्मासिस्टों ने अपनी बातों को रखते हुए कहा कि प्रदेश में अस्पतालों की संख्या लगभग बारह हजार है, लेकिन स्थायी कार्यरत फर्मासिस्टों की संख्या लगभग 850 है. फर्मासिस्टों ने बिहार फार्मेसी काउंसिल रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन करने, फर्जी फर्मासिस्टों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने व नये सिरे से राज्य में फर्मासिस्टों के पदों का सृजन करने की मांग की. वक्ताओं ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में तीन संवैधानिक पद है, जिनमें पहला डॉक्टर और दूसरा फार्मासिस्ट एवं तीसरा नर्स है. आयोजन में अरविंद कुमार, चंद्रशेखर, कुमार अजय, अभिषेक सुमन, विनोद कुमार, मिथिलेश, ,राजनाथ, रजत राज, प्रदीप कुमार, राहुल कुमार, गौरव कुमार, आरती कुमारी, छतीस कुमार, नीरज, जितेंद्र कुमार, धीरज,गौरव, कमलेश, उत्कर्ष आदि शामिल हुए.

Prabhat Khabar (Date: - 26/09/2019)

कार्यक्रम. एम्स पटना ने मनाया 8वां स्थापना दिवस

ऐसा बेहतर एम्स बनाएं, यहां प्रधानमंत्री को बुलाएं : चौबे

प्रतिनिधि ▷ फुलवारीशरीफ

बुधवार को पटना एम्स का आठवां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया. केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि एम्स ने जिस तेजी से बेहतर संस्थान के रूप में अपनी पहचान बनाया है, उससे और भी आगे जाना है. उन्होंने कहा कि ऐसा एम्स बनाएं कि यहां प्रधानमंत्री को बुलाया जाए. ऐसा एम्स हो जिसे देख दूसरे अस्पताल अनुसरण करें. पटना एम्स के आठ वर्षों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में नित नये-नये अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं का शुभारंभ हुआ है. इससे गरीब मरीजों को काफी फायदा हो रहा है. वे पटना एम्स के आठवां स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन कर रहे थे. उन्होंने कहा कि पटना एम्स के नौवें स्थापना दिवस पर प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी को आने का न्योता देंगे. एम्स के डॉक्टरों की गुणवत्तापूर्ण असरदार स्वास्थ्य सेवा और दक्षता का लोहा दुनिया के डॉक्टर मानते हैं. यही आस्था लेकर पूरे बिहार और पूर्वांचल से नेपाल तक मरीज यहां इलाज के लिए आते हैं. अगले साल नीट के माध्यम से सारे एम्स समेत भारत के सभी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस का परीक्षा एक साथ होगी. गत पांच साल में पीजी की सीट 40 हजार हो गयी है. केंद्र सरकार ने 157 जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज में परिवर्तित किया है. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और एम्स गवर्निंग बॉडी के सदस्य डॉ संजय जायसवाल ने कहा कि एम्स कम समय पर अच्छा काम कर रहा है. धन की कोई कमी नहीं होनी दी जायेगी. आइजीआइएमएस के निदेशक डॉ एन आर विश्वास ने भी अपने विचार रखे. कार्यक्रम शुरू होने से पहले बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय मंत्रिमंडल की बैठक में चले गये.

कार्यक्रम में उद्घाटनकर्ता अश्विनी कुमार चौबे, मुख्य अतिथि मंगल पांडेय और डॉ संजय जायसवाल को एम्स पटना के तरफ से मोमेंटो और शॉल देकर सम्मानित किया गया. स्थापना दिवस समारोह में अतिथियों द्वारा निर्देशक स्कॉलर पुरस्कार श्वेता सिंह, रत्नदीप विश्वास, साहिल कश्यप, मयंक मिश्रा, अनामिका दास और भावना भारती को दिया गया. सभी कार्यक्रम डॉ प्रज्ञा कुमार और डॉ मोनिका अनंत के मार्गदर्शन में किये गये. उद्घाटन समारोह का समापन डॉ नीरज अग्रवाल डीन एम्स पटना द्वारा धन्यवाद से हुआ. मेडिकल स्टूडेंट्स ने स्थापना दिवस समारोह में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर शमा बांध दिया. इस मौके पर कॉलेज की पत्रिका स्पंदन का विमोचन किया गया. मौके पर वीर कुवंर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ दीव कुमार तिवारी, डॉ सहजानंद, पद्मश्री डॉ जितेंद्र कुमार सिंह, डॉ एसएन आर्या, अधीक्षक डॉ सीएम सिंह, डॉ संजीव कुमार, डॉ अनिल कुमार आदि मौजूद थे.

उद्घाटन करते केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे व अन्य.

2025 तक पूरा भारत टीबी से होगा मुक्त

2025 तक पूरे भारत को टीबी से मुक्त करना है. इसके लिए लोगों की भगीदारी भी जरूरी है. टीकाकरण के संबंध में कहा कि इंद्रधनुष के तहत 90 प्रतिशत बच्चों को टीकाकरण हो चुका है. 60 प्रतिशत गर्भवती महिला को भी टीका पड़ चुका है. पटना एम्स के अध्यक्ष डॉ एन के अरोड़ा ने कहा कि कल का भारत युवाओं पर निर्भर करेगा. एम्स निदेशक ने कहा कि एम्स में अब शोध के कार्यों की मंजूरी मिल गयी है, जिससे एम्स में शोध को हर जगह मान्यता मिलेगी. निदेशक डॉ प्रभात कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया.

सम्मानित किये गये टॉपर

बैच के टॉपर्स को स्वर्ण पदक दिये गये. 2014 बैच की सृष्टि दीक्षित, 2015 बैच की सुजीता टीएस, 2016 बैच की संजना मालाकार और 2018 बैच की श्वेता सिंह शामिल हैं. इसी बैच के अन्य मेधावी छात्रों को भी रजत और कांस्य पदक से सम्मानित किया गया. इसी तरह कॉलेज ऑफ नर्सिंग के छात्रों में स्वर्ण पदक वितरित किये गये. 2015 बैच की खुशबू, मोनिका 2016 बैच, 2017 बैच की प्रेरणा और 2018 बैच की अनंत लक्ष्मी इनमें शामिल है.